



Literacy for a Billion

Movie: Johny Mera Naam

Year: 1970

Song: O O Mere Raja

Lyricist: Rajendra Krishan

ओ मेरे राजा राजा  
राजा

आज भी ऐसे  
जाने दूँगा  
ऐसा भी क्या

ओ मेरे राजा  
ओ मेरे राजा  
ख़फ़ा ना होना  
देर से आई  
दूर से आई  
मजबूरी थी  
फिर भी मैंने  
वादा तो निभाया  
वादा तो निभाया

कितना सताया  
पहले उसका  
हिसाब दो

अँखियों में  
अँखियाँ डाल के  
जवाब दो

बचते बचाते  
हो ओ

ओ मेरी रानी  
समझ गया मैं  
वही पुराना  
तेरा बहाना  
देर से आना  
और ये कहना  
वादा तो निभाया  
वादा तो निभाया

बचते बचाते  
छुपते छुपाते  
तुम क्या जानो  
कैसे आई

वादा तो निभाया  
ओ मेरे राजा

इंतज़ार के  
इक इक पल का  
बदला लूँगा  
ऐसा भी क्या

समझ गया मैं  
वही पुराना  
तेरा बहाना  
देर से आना  
और ये कहना  
वादा तो निभाया

ये न समझना

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

ओ मेरे राजा

बाँहों की इन  
जंजीरों में  
यूँ ना जकड़ो

हम जकड़ेंगे

मुड़ जाएगी  
मेरी कलाई  
हाथ ना पकड़ो

हम पकड़ेंगे

छोड़ो ना  
नहीं  
छोड़ो ना

ऐसे तो नाजुक नहीं  
हाथ सरकार के  
मौके भी कभी कभी  
मिलते हैं प्यार के

प्यार अभी तो  
हो हो

प्यार अभी तो  
नया नया है  
तेरी वफ़ा की  
क़दर करूँगी

वादा तो निभाया

ओ मेरे राजा  
ख़फ़ा ना होना  
देर से आई  
दूर से आई  
मजबूरी थी  
फिर भी मैंने  
वादा तो निभाया

ओ मेरी रानी

कहो ये गालों के अँगारे  
किसके लिए हैं  
कहो कहो

अजी तुम्हारे

होंठों पे ये शहद के धारे  
किसके लिए हैं  
बोलो बोलो

अजी तुम्हारे  
हाँ

शर्म कहाँ की  
आओ गले  
लग जाओ जी  
कब से खड़ा हूँ प्यासा  
प्यास बुझाओ जी



Literacy for a Billion

हट जाओ जी  
बुझाओ जी

बदनामी से  
हो हो

बदनामी से  
डर लगता है  
ये तो सोचो  
किस मुश्किल से  
वादा तो निभाया  
ओ मेरे राजा

समझ गया मैं  
वही पुराना  
तेरा बहाना

देर से आना  
और ये कहना  
वादा तो निभाया  
वादा तो निभाया

ओ मेरे राजा  
ओ मेरी रान

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*